राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय

Diploma In Performing art (D.P.A.) II[nd] Year

KATHAK

2025 -26

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**DANCE- KATHAK** **THEORY-I** (History & development of Indian dance)	**100**	**33**	**100**
2	PRACTICAL-I Demonstration and viva	100	33	100
	GRAND TOTAL	200	66	**200**

Diploma In Performing art (D.P.A.) II[nd] Year

विषय–कथकनृत्य

शास्त्र–प्रथम प्रश्नपत्र

भारतीय नृत्य का इतिहास एवं विकास

(History & development of Indian dance)

समय : 3 घण्टे **पूर्णांकः 100**

इकाई–1

जयपुर , लखनऊ, बनारस, एवं रायगढ घरानों के नृत्य की शली गत विशेषताएँ एवं नृत्यकारों की जानकारी।

इकाई–2

रासनृत्य की व्याख्या एवं कथक नृत्य से उसका संबंध। अष्टनायिक भेदों का वर्णन।

इकाई–3

(1) भारतीय नृत्य कला में गुरु शिष्य परंपरा।
(2) कथक नृत्य और साहित्य।
(3) कथक नृत्य मे तबला संगती।

इकाई–4

'लोकनृत्य' परिचय एवं भारत के पांच प्रमुख प्रसिद्ध लोक नृत्यों का संक्षिप्त वर्णन।

इकाई–5

भरतनाट्यम तथा उडीसी नृत्य का अध्ययन।

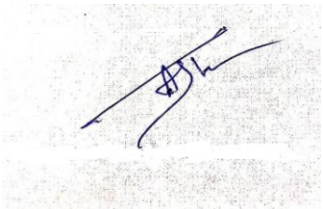

Diploma In Performing art (D.P.A.) II[nd] Year

विषय–कथकनृत्य
प्रायोगिक–वायवा

इकाई– 1 **पूर्णांकः 100**

1. विष्णु वंदना अथवा गणेश वंदना।
2. कसक, मसक,कटाक्ष के साथ ठाट/थाट प्रदर्शन।

इकाई–2

त्रिताल मेंः– एक आमद, पांच तोडे, दो परन, दो चक्कर दार परन, दो कवित्त।

इकाई–3

गत निकास (बिंदिया,रुखसार)

इकाई– 4

गतभाव.....होरी।

इकाई–5

ताल धमार, पंचम सवारी में ठाट, आमद , 2 तोडे, 2 परन, 1 चक्करदार तोडा, 1 चक्करदार परन एवं वित्त का प्रदर्शन।

संदर्भित पुस्तकें–

1. कथक नृत्य शिक्षा, प्रथम भाग (डॉ. पुरु दाधीच)
2. कथक नर्तन (डॉ. विधि नागर)
3. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
4. कथक मध्यमा (डॉ. भगवानदास माणिक)
5. कथक नृत्य का मंदिरों से संबंध ''जयपुर घराने के विशेष संदर्भ में''(डॉ. अंजनाझा)
6. कथक दर्पण/कथक ज्ञानेश्वरी (पं.तीरथ राम आजाद जी)

आव''यक निर्देश :–आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाइल प्रस्तुत करनी होगी। (1) कक्षा में सीखे गये तोडे–टुकडे, बंदिश आदि का लिपीबद्ध विवरण/नोटेशन (2) विश्वविद्यालय/ महाविद्याल एवं नगर में आयोजित नृत्य कार्यक्रमों की रिपोर्ट। इन फाईल्स का मूल्यांकन आन्तरिक परीक्षक को विद्यार्थियों की फाईल्स की ग्रेडिंग (श्रेणी) करके बाह्य परीक्षक के साथ प्रस्तुत करना होगा तथा छात्र–छात्राओं की उपस्थिति विवरण भी प्रस्तुत करना होगा। जिसके आधार पर बाह्य परीक्षक द्वारा अंतिम अंक मूल्यांकन किया जायेगा। जिस पर आंतरिक तथा बाह्य परीक्षक, दोनो के हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे।